134 GI/83



Hita an Usiya The Gazette of India

असाधाररा EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 205] नई दिल्लो, शनिवार, ग्रप्रैल 30, 1983/वैशाख 10, 1905 No. 205] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 30. 1983/VAISAKHA 10, 1905

इल भाग में भिन्न पष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संफलन के रूप में रखा जा सक्षे

Separate paging is given to this Port in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(अधिगिक विकास विभाग)

आवेश

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1983

का. आ. 347(अ)/18कक/उ.वि.वि.अ./83: —भारत सरकार हो उद्योग मत्रालय (अद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का.आ. 618(अ)/18तक/उ यि. वि अ./79 सारीस 31 असत्बर, 1979 (जिसे इससे इसके परचात् उकत आदेश तहा गया है) द्यारा केन्द्रीय सरकार ने सचिवा, काद और करण उद्योग विभाग जिसे अवर गचिव, अद्योगिक पुनर्निर्माण विभाग, परिचमी बंगाल मरकार, कावकता कहा जाता है (जिसे इसमें इसके परचात् उकत प्राधिकृत, व्यक्ति कहा गया है) को मैगर्स थी सरस्वती प्रैस लिमिटेट, 11 वैरक्ष् रूक रोड,

(1)

होतथिरया, कलकत्ता (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त अधिशिक ल्पकप कहा गया है) का प्रबंध 31 अवस्कर, 1979 से तीन वर्ष की अविध के लिए ग्रहण करने के निए प्राधिकत किया था ;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश मं. का.आ. 768(ज)/18कक/उ.वि.वि.अ./82, तारीख 30 अक्तूबर, 1982 द्वारा उक्स आदेश की अविधि 30 अप्रैल, 1983 सक, जिसमें यह तारीख भी सम्मि-लित है, छह मास की अविधि के लिए बढ़ा वी गई थी;

और कोन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में यह समीकीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम का उक्त प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा छह मास की और अविध कें लिए बना रहना चाहिए;

अत: केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपभारा (2) सुवारा प्रवत्स शिवतयों का प्रयोग करते हुए निवेश देती है कि उक्त आवेश, 30 अप्रैल, 1983 तक, जिसमें यह तारीस भी सम्मिलित है, छह मास की और अविध के लिए प्रभावी बना रहेगा ।

[फा. सं. 2(15)/79-सी यू एस.] ए पी सरवन, संयवन सन्दिश

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 30th April 1983

S.O. 347(E)/18AA/IDR \ /83.—Whereas by the Order of the Government of India in the Mini try of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 618(E)/18AA/IDRA/79, dated the 31st October, 1979 (heremafter referred to as the said Order), the Central Government had authorised the Secretary, Closed and Sick Industries Department now called Secretary, Industrial Reconstruction Department, Government of West Bengal Calculta (hereinafter referred to as the said authorised person), to take over the management of Wests See Saraswati Press Limited. 11. Barrackpore Trunk Road, Belgharia, Calculta (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) for a period of three years from the 31st October, 1979

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Indias: (Department of Industrial Development) No. 80, 768(E)/18AA/IDRA/82, dated the 30th October, 1982, the duration of the said order was extended upto and inclusive of 30th April, 1983.

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking

by the said authorised verson should continue for a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of six months upto and inclusive of the 30th October, 1983.

[F. No. 2(15)/79-CUS.] A. P. SARWAN, It. Secy.